हिन्दी प्रारूप प्रश्न पत्र– 3

निर्धारित समयः 3 घंटे 15 मिनट **अधिकतम अंकः 80**

परीक्षार्थियों के लिये सामान्य निर्देशः

- **परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।**
- **सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य हैं।**
- **प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर पुस्तिका में ही लिखें।**
- **जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।**
- **प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व उत्तर क्रमांक अवश्य लिखें।**

खण्ड–(अ)

1. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर अपनी पुस्तिका में लिखिए (i-xii)– **[12×1= 12]**

(i) कवि नागार्जुन किस विचारधारा के कवि हैं?

(अ) प्रगतिवादी विचारधारा (ब) रहस्यवादी विचारधारा

(स) प्रयोगवादी विचारधारा (द) छायावादी विचारधारा

(ii) 'फसल' कविता में कवि ने पाठकों को किस विषय से अवगत कराया है?

(अ) शारीरिक परिश्रम से (ब) प्राकृतिक उपादानों से

(स) वायु शुद्धता से (द) फसल निर्माण से

(iii) 'वह अचानक आ धमका' वाक्य मे रेखांकित शब्द में अव्यय है–

(अ) स्थानवाचक (ब) कालवाचक (स) रीतिवाचक (द) परिमाणवाचक

(iv) 'छत के ऊपर कौआ बैठा हैं' रेखांकित शब्द में अव्यय हैं–

(अ) कालवाचक (ब) संबंधबोधक (स) समुच्चयबोधक (द) निपात

(v) 'माखनचोर' के लिए उचित समास–विग्रह तथा समास का नाम बताइए।

(अ) माखन को चुराने वाला– कर्म तत्पुरूष (ब) माखन और चोर–द्वन्द्व समास

(स) माखन का चोर– अव्ययीभाव समास (द) माखन के लिए चोर –द्विगु समास

(vi) 'क्रोध को और बढ़ाने वाली बात कहना'– वाक्यांश के लिए उचित मुहावरा बताइए।

(अ) आग को तेज करना (ब) आग को भड़काना

(स) आग में घी डालना (द) आग जलाना

(vii) गोपियों को जोग सुनते ही कैसा लगता है?

(अ) मीठा (ब) कड़वा

(स) कड़वी ककड़ी जैसा (द) अच्छा

(viii) 'मधुप गुनगुना कर कह जाता कौन कहानी यह अपनी' उपर्युक्त पंक्तियाँ किस कविता से ली गई हैं?

(अ) आत्मकथ्य (ब) उत्साह (स) छाया मत छूना (द) दंतुरित मुसकान

(ix) संगतकार क्या करता हैं?

(अ) मुख्य गायक की आवाज में अपनी गूँज मिलाता है।

(ब) मुख्य गायक को उठाता है।

(स) पैदल चलकर आता है।

(द) मुख्य गायक को तांगों में घुमाता है।

(x) जब बिस्मिल्ला खाँ काशी से बाहर होते हैं तब वे अपनी श्रद्धा कैसे व्यक्त करते हैं?

(अ) तब वे विश्वनाथ व बालाजी मंदिर की दिशा की ओर मुँह करके बैठते हैं।

(ब) अपना शहनाई का प्याला उसी ओर घुमा देते हैं।

(स) भीतर की आस्था रीड़ के माध्यम से बजती है।

(द) उपर्युक्त तीनों बातें होती हैं।

\\172.16.160.245\dtpdata$\PNCF\PNCF_2025-26\BOARD SAMPLE PAPER\RBSE

(xi) हिरोशिमा विस्फोट का भोक्ता लेखक कब बना?

(अ) किताबों में पढ़कर (ब) हिरोशिमा जाकर

(स) पत्थर पर मानव की छाया देखकर (द) घटना सुनकर

(xii) 'मैं क्यों लिखता हूँ पाठ है–

(अ) ललित निबन्ध (ब) यात्रावृत्तांत (स) खोजपरक निबन्ध (द) आत्मपरक निबन्ध

2. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए (i-vi) **[6 ×1 = 6]**

(i) विशेषण .....प्रकार के होते हैं।

(ii) जिस विशेषण से संज्ञा या सर्वनाम के गुण या दोष का बोध होता है, उसे..... कहते है।

(iii) स्वर संधि..... प्रकार की होती है।

(iv) ऐसे शब्द जिनके स्वरूप में लिंग, वचन, काल आदि के प्रभाव से कोई.....नहीं होता, अविकारी शब्द या अव्यय कहलाते हैं

(v) संस्कृत के कुल.....उपसर्ग होते हैं। ये सभी उपसर्ग तत्सम शब्दों के साथ हिन्दी में प्रयुक्त होते हैं।

(vi) समास के.....भेद होते हैं।

3. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए– **[6×1=6]**

तुलसी का काव्य लोक संस्कृति का अभिन्न अंग बन गया है। उनके नाम के साथ कोई पंथ नहीं जुड़ा है। 'रामचरितमानस' को लोकप्रिय बनाने के लिए कोई संघबद्ध प्रयास नहीं किया गया। अपने आप मिथिला के गाँवों से लेकर मालवे की भूमि तक जनता ने इस ग्रन्थ को अपनाया। करोड़ों हिन्दीभाषियों के लिए धर्मग्रन्थ, नीतिग्रन्थ, काव्यग्रन्थ यदि कोई है तो 'रामचरितमानस' है। इसका एक अप्रत्यक्ष सामाजिक फल यह हुआ है कि हिन्दी भाषी जनता को संगठित करने में, उसमें जातीय एकता का भाव उत्पन्न करने में 'रामचरितमानस' की अपूर्व भूमिका रही है। आश्चर्य की बात है कि जिन जनपदों में गाँवों में तुलसी और सूर की रचनाओं का पाठ शताब्दियों से होता रहा है, उनके कुछ अभिनव नेता और बुद्धिजीवी अपने को हिन्दीभाषी क्षेत्र से अलग मानते हैं।

भक्ति आन्दोलन और तुलसी– काव्य का राष्ट्रीय महत्त्व यह है कि उनसे भारतीय जनता की भावनात्मक एकता दृढ़ हुई है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

(अ) विविधता में एकता

(ब) तुलसी के काव्य की उपयोगिता

(स) सूरदास के काव्य की उपयोगिता

(द) जीवन और धर्म

(ii) करोड़ों हिन्दी भाषियों के लिए धर्म ग्रन्थ, नीति ग्रन्थ, काव्य ग्रन्थ है।

(अ) गीता

(ब) महाभारत

(स) रामायण

(द) रामचरितमानस

(iii) रामचरितमानस की अपूर्व भूमिका क्या रही है।

(अ) जातीय एकता का भाव उत्पन्न करने में

(ब) भक्ति की महिमा में डूबने में

(स) कर्मकाण्डों की स्वीकृति में

(द) समाज का मनोविज्ञान बदलने में

(iv) गाँवो मे तुलसी और सूर की रचनाओं का पाठ कब से होता रहा है?

(v) भक्ति आन्दोलन और तुलसी काव्य का राष्ट्रीय महत्त्व क्या है?

(vi) 'बुद्धिहीन' शब्द का विपरीतार्थक शब्द गद्यांश में प्रयुक्त हुआ है?

\\172.16.160.245\dtpdata$\PNCF\PNCF_2025-26\BOARD SAMPLE PAPER\RBSE

4. निम्नलिखित अपठित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए– [6×1= 6]

उदयाचल से किरन–धेनुएँ
हाँक ला रहा
वह प्रभात का ग्वाला
पूँछ उठाये चली आ रही
क्षितिज–जंगलों से टोली
दिखा रहे पथ इस भूमा का
सारस सुना–सुना बोली
गिरता जाता फेन मुखों से
नभ में बादल बन तिरता
किरन–धेनुओं का समूह यह
आया अंधकार चरता।
नभ की आम्र छाँह में बैठा
बजा रहा बंशी रखवाला।
ग्वालिन सी ले दूब मधुर
वसुधा हँस–हँसकर गले मिली
चमका अपने–अपने स्वर्ण–सींग वे
अब शैलों से उतर चलीं।

(i) 'उदयाचल से किरन–धेनुएँ' पंक्ति में 'किरन–धेनुएँ' से क्या आशय बताया गया है?
(अ) किरण की धेनुएँ
(ब) किरणें रूपी गायें
(स) किरणों की बनी धेनुएँ
(द) इनमें से कोई नहीं

(ii) किरण रूपी गायों का समूह क्या चरता है?
(अ) घास (ब) फूल–पत्ते
(स) अंधकार (द) रोशनी

(iii) ग्वालिन किसे बताया गया है?
(अ) वसुधा (ब) धरती (स) पृथ्वी (द) उपर्युक्त सभी

(iv) कवि ने कवितांश मे किसका वर्णन किया है?

(v) क्षितिज किसे कहते हैं?

(vi) प्रस्तुत काव्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

खण्ड -(ब)

निम्नलिखित लघुत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर सीमा लगभग 40 शब्द है। [7×2=14]

5. पद किसे कहते हैं?

6. प्रयोग की दृष्टि से क्रिया के प्रमुख भेद कौन–कौनसे होते हैं? उनके नाम लिखिए।

7. कर्मधारय और बहुब्रीहि समास में अन्तर लिखिए।

8. 'थोथा चना बाजे घना' लोकोक्ति का आशय लिखिए।

9. जयशंकर प्रसाद का स्वप्न– भंग किस जीवन सत्य की ओर संकेत करता है?

10. 'होइहि कोउ एक दास तुम्हारा' राम के इस कथन से किस जीवन सत्य का ज्ञान होता है?

11. "मैडम, ये मेरे देश की आम जनता है।, नार्गे के इस कथन में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड -(स)

\\172.16.160.245\dtpdata$\PNCF\PNCF_2025-26\BOARD SAMPLE PAPER\RBSE

12. निम्नलिखित पठित गद्यांश को ध्यान पूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए। [4×1=4]

हमने सुना, बालगोबिन भगत का बेटा मर गया। कुतूहलवश उनके घर गया। देखकर दंग रह गया। बेटे को आँगन में एक चटाई पर लिटाकर एक सफेद कपड़े से ढँक रखा है। वह कुछ फूल तो हमेशा ही रोपते रहते, उन फूलों में से कुछ तोड़कर उस पर बिखरा दिए है; फूल और तुलसीदल भी। सिरहाने एक चिराग जला रखा है और उसके सामने जमीन पर ही आसन जमाए गीत गाए चले जा रहे हैं! वही पुराना स्वर, वही पुरानी तल्लीनता। घर में पतोहू रो रही है जिसे गाँव की स्त्रियाँ चुप कराने की कोशिश कर रही हैं। किन्तु, बालगोबिन भगत गाए जा रहे हैं! हाँ, गाते–गाते कभी–कभी पतोहू के नजदीक भी जाते और उसे रोने के बदले उत्सव मनाने को कहते आत्मा परमात्मा के पास चली गई, विरहिनी अपने प्रेमी से जा मिली, भला इससे बढ़कर आनंद की कौन बात? मै कभी–कभी सोचता, यह पागल तो नहीं हो गए।

(i) लेखक बालगोबिन भगत के घर क्यों गया?

(ii) लेखक क्या देखकर आश्चर्यचकित हुए?

(iii) भगतजी मृत्यु शैय्या के पास क्या कर रहे थे?

(iv) भगतजी ने पतोहू को किस प्रकार सांत्वना दी?

अथवा

शहनाई के इसी मंगलध्वनि के नायक बिस्मिल्ला खाँ साहब अस्सी बरस से सुर माँग रहे हैं। सच्चे सुर की नेमत। अस्सी बरस की पाँचों वक्त वाली नमाज इसी सुर को पाने की प्रार्थना में खर्च हो जाती है। लाखों सजदे, इसी एक सच्चे सुर की इबादत में खुदा के आगे झुकते हैं। वे नमाज के बाद सजदे में गिड़गिड़ाते हैं–मेरे मालिक एक सुर बख्श दे। सुर में वह तासीर पैदा कर कि आँखों से सच्चे मोती की तरह अनगढ़ आँसू निकल आएँ उनको यकीन है, कभी खुदा यूँ ही उन पर मेहरबान होगा और अपनी झोली से सुर का फल निकालकर उनकी ओर उछालेगा फिर कहेगा, ले जा अमीरुद्दीन इसको खा ले और कर ले अपनी मुराद पूरी।

(i) प्रस्तुत गद्यांश किस पाठ से लिया गया है? इसके लेखक कौन हैं?

(ii) शहनाई की मंगल ध्वनि का नायक किसे बताया गया है।

(iii) बिस्मिल्ला खाँ अस्सी बरस से क्या माँग रहे हैं?

(iv) बिस्मिल्ला खाँ सजदे में क्या गिड़गिड़ाते हैं?

13. निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- [4×1 = 4]

छोटे से जीवन की कैसे बड़ी कथाएँ आज कहूँ?
क्या यह अच्छा नहीं कि औरों की सुनता मैं मौन रहूँ?
सुनकर क्या तुम भला करोगे मेरी भोली आत्मकथा?
अभी समय भी नहीं, थकी सोई है मेरी मौन व्यथा।

(i) अपने जीवन को 'छोटा' कहने से कवि का क्या आशय है?

(ii) कवि अपनी आत्मकथा कहने के बजाय किसे उचित मानता है?

(iii) कवि आत्मकथा कहने के बजाय किसमें उत्सुकता रखता है?

(iv) कवि स्वयं मौन रहकर दूसरों की कथा क्यों सुनना चाहता है?

अथवा

गायक जब अंतरे की जटिल तानों के जंगल में
खो चुका होता है।
या अपने ही सरगम को लाँघकर
चला जाता है भटकता हुआ एक अनहद में
तब संगतकार ही स्थायी को संभाले रहता है।
जैसे समेटता हो मुख्य गायक का पीछे छूटा हुआ सामान
जैसे उसे याद दिलाता हो उसका बचपन
जब यह नौसिखिया था।

\\172.16.160.245\dtpdata$\PNCF\PNCF_2025-26\BOARD SAMPLE PAPER\RBSE

(i) संगतकार किस समय स्थायी को सँभाले रहता है?

(ii) सरगम बाँधने से कवि का क्या आशय है?

(iii) कवि ने नौसिखिया किसे और क्यों कहा है?

(iv) 'अतरे की जटिल तानो के जंगल में पंक्ति का आशय लिखिए।

14. 'माता का अँचल' पाठ बाल स्वभाव का मनोरम उद्घाटन करता है कुछ उदाहरण देकर प्रमाणित कीजिए। **[3]**

अथवा

बिस्मिल्ला खाँ हिन्दू– मुस्लिम एकता के प्रतीक कैसे थे? बताइए।

15. शहनाई की दुनिया में 'डुमराँव' को क्यों याद किया जाता है? दो कारणों का उल्लेख कीजिए। **[3]**

अथवा

कवि जयशंकर प्रसाद आत्मकथा लिखने से क्यों बचना चाहते हैं?

खण्ड – (द)

16. 'यशपाल' का जीवन व कृत्तित्व परिचय संक्षेप में लिखिए। **[4]**

अथवा

कवि जयशंकर प्रसाद का परिचय दीजिए।

17. नार्गे ने 'धर्मचक्र' की क्या विशेषता बताई? "साना–साना हाथ जोड़ि" अध्याय के आधार पर लिखिए। **[4]**

अथवा

लेखक ने प्रत्यक्ष अनुभव और अनुभूति में क्या अंतर बतलाया है?

18. **निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर 300-350 शब्दों में सारगर्भित निबन्ध लिखिए।** **[6]**

(अ) मुझे गर्व– मेरे भारत पर

(i) जन्मभूमि से स्वाभाविक प्रेम (ii) नामाकरण और भौगोलिक स्थिति

(iii) इतिहास,संस्कृति और प्राकृतिक वैभव (iv) वर्तमान स्थिति

(v) उपसंहार

(ब) कम्प्यूटर की बढ़ती उपयोगिता

(i) एक महान आविष्कार (ii) कम्प्यूटर के बढ़ते चरण

(iii) भारत में कम्प्यूटर का विस्तार (iv) कम्प्यूटर से लाभ–हानि

(v) उपसंहार

(स) कटते जंगलः घटता मंगल

(i) वनों का महत्व (ii) वनों से लाभ

(iii) वन विनाश के दुष्परिणाम (iv) उपसंहार

(द) राजस्थान के दर्शनीय स्थल

(i) राजस्थान के दर्शनीय स्थल (ii) पर्यटन में बाधक तत्त्व

(iii) पर्यटन को प्रोत्साहन (iv) पर्यटन का महत्व

19. समाचार पत्रों में विज्ञापनों की भरमार को कम करने और समसामयिक विषयों पर लेखक की आवश्यकता को दर्शाते हुए किसी दैनिक समाचार–पत्र के संपादक को पत्र लिखिए। **[4]**

अथवा

अपने विद्यालय में हुए संगीत समारोह पर टिप्पणी करते हुए माँ को पत्र लिखिए।

20. निम्नलिखित अनुच्छेद का संक्षिप्तिकरण कीजिए–

संसार की प्रत्येक वस्तु परिवर्तनशील है। क्षण घण्टों में, घण्टे दिनों में, दिन सप्ताह में, सप्ताह मास में और मास वर्षो में परिवर्तित होते रहते हैं। इस प्रकार संसार–सागर की लहरें मानवता के बेड़े को निरन्तर आगे बढ़ाती रहती हैं और कालान्तर में एक प्राचीन और नवीन सभ्यता और संस्कृति का अवसान और आरम्भ होता दिखलाई देता है कुछ वस्तुओं में परिवर्तन इतनी जल्दी होता है कि हमें प्रत्यक्ष रूप में दिखाई नहीं देता है। उद्यान में विकसित कुछ पुष्प इतनी जल्दी प्रफुल्लित होते हैं, कुम्हला जाते हैं और अन्त में पंखुरियाँ गिरने लगती हैं कि इसका अनुभव कालान्तर में होता हैं। इस प्रकार प्रतिक्षण ऐहिक वस्तु में परिवर्तन होता रहता है। यही भारतीय क्षणवाद का ध्रुव सिद्धान्त है। कवि की दृष्टि में यह परिवर्तन ही जीवन है। अस्थिरता और परिवर्तन ही जीवन का प्रतीक है।

अथवा

निम्नलिखित पंक्ति का पल्लवन (वृद्धिकरण) कीजिए–

"स्त्री पुरूष के लिए सबसे बड़ा वरदान है और वही सबसे बड़ा अभिशाप भी है"

\\172.16.160.245\dtpdata$\PNCF\PNCF_2025-26\BOARD SAMPLE PAPER\RBSE